

27  $\frac{12}{19}$

पत्रावली पेश हुई। वकुलाय उभयपक्ष उर्फ  
चूंकि दस्तगत प्रमाण से सम्बन्धित मूल  
पत्रपत्र टी. आई. का आग निस्तारण किया  
जा चुका है। ऐसी स्थिति में दस्तगत प्रमाण  
में आगे कोई कार्यवाही अपेक्षित नहीं है।  
अतः कार्यवाही प्रकरण इसी स्तर पर खड़ा  
की गयी है। पत्रावली फौजल शुमार दफ्तर  
नम्बर से कर दो तथा बाद तन्मूल दाखिल  
दफ्तर हो। निर्णय खुले न्यायालय में सुनाया  
गया।

(राजेश सिंह)  
सहायक कलेक्टर  
(फास्ट ट्रेक) खण्डेला

